



वार्षिक रिपोर्ट 1999-2000
Annual Report 1999-2000

भारतीय स्टेट बैंक
State Bank of India



विषय-सूची

सूचना	1
केन्द्रीय निदेशक बोर्ड	2
स्थानीय बोर्ड के सदस्य	4
केन्द्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य	5
बैंक के लेखा-परीक्षक	6
उत्सोहनीय तथ्य	7
अध्यक्ष की ओर से	8
आर्थिक परिवेश	14
निदेशकों की रिपोर्ट	20
तुल्यम्भ, लाभ एवं हानि लेखा तथा नकदी प्रवाह विवरण	50

Contents

Notice	1
Central Board of Directors	2
Members of the Local Boards	4
Members of the Central Management Committee	5
The Bank's Auditors	6
Highlights	7
From the Chairman's Desk	9
Economic Environment	15
Directors' Report	21
Balance Sheet, Profit & Loss Account and Cash Flow Statement	50

सूचना

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय कार्यालय, मुंबई 400 021.

12 जून 2000

22 ज्येष्ठ 1922 (शक)

भारतीय स्टेट बैंक के शेयरधारकों की 45 वीं वार्षिक महासभा, शहाजी राजे भोसले क्रीडा संकुल (स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स), जय प्रकाश मार्ग, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई-400 053 (महाराष्ट्र) में गुरुवार, दिनांक 3 अगस्त 2000 को अपराह्न 3.30 बजे निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु होगी:

“31 मार्च 2000 तक की केन्द्रीय बोर्ड की रिपोर्ट, बैंक का तुलन-पत्र और लाभ-हानि लेखा तथा तुलन-पत्र और लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्राप्त करना.”

जी. जी. वैद्य

जी. जी. वैद्य
अध्यक्ष



Notice

State Bank of India

Central Office, Mumbai 400 021.

12th June, 2000

22 Jyestha 1922 (Saka)

The 45th Annual General Meeting of the Shareholders of the State Bank of India will be held at the Shahaji Raje Bhosale Kreedha Sankul (Sports Complex), Jai Prakash Marg, Andheri (West), Mumbai-400 053 (Maharashtra) on Thursday, the 3rd August, 2000 at 3.30 P.M. for transacting the following business:

“to receive the Central Board's Report, the Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank made up to the 31st March, 2000 and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts.”

G. G. Vaidya

G. G. VAIDYA
Chairman

केन्द्रीय निदेशक बोर्ड

(22 जून 2000 को)

अध्यक्ष

श्री जी. जी. वैद्य

प्रबंध निदेशक

श्री एस. के. मुखर्जी

श्री वी. कामेसम

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 19 (ख ख)

के अन्तर्गत पदेन

श्री के. पी. झुनझुनवाला

अधिनियम की धारा 19 (ग) के अन्तर्गत निर्वाचित

डा. एस. रमणी

डा. आई. जी. पटेल

श्री अजय जी. पीरामल

श्री पृथ्वीराज खन्ना

अधिनियम की धारा 19 (ग क) के अन्तर्गत

केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त

श्री सुरेश कुमार मेहरा

अधिनियम की धारा 19 (ग ख) के अन्तर्गत

केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त

श्री शांशा राजू

अधिनियम की धारा 19 (घ) के अन्तर्गत

केन्द्र सरकार द्वारा नामित

श्री आर. प्रभाकर राव

श्री सी. एन. रामचंद्रन

डा. वी. बी. कौजलगी

श्री राजेन्द्र एस. लोढ़ा

अधिनियम की धारा 19 (ड) के अन्तर्गत

केन्द्र सरकार द्वारा नामित

श्री देवी दयाल

अधिनियम की धारा 19 (च) के अन्तर्गत

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नामित

श्री जगदीश कपूर

Central Board of Directors

(As on 22nd June 2000)

Chairman

Shri G. G. Vaidya

Managing Directors

Shri S. K. Mukherjee

Shri V. Kamesam

Ex-officio under Section 19 (bb)

of State Bank of India Act 1955

Shri K. P. Jhunjhunwala

Elected under Section 19 (c) of the Act

Dr. S. Ramani

Dr. I. G. Patel

Shri Ajay G. Piramal

Shri Prithvi Raj Khanna

Appointed by the Central Government

under Section 19 (ca) of the Act

Shri Suresh Kumar Mehra

Appointed by the Central Government

under Section 19 (cb) of the Act

Shri Shantha Raju

Nominated by the Central Government

under Section 19 (d) of the Act

Shri R. Prabhakar Rao

Shri C. N. Ramachandran

Dr. V. B. Kaujalgi

Shri Rajendra S. Lodha

Nominated by the Central

Government under Section 19 (e) of the Act

Shri Devi Dayal

Nominated by the Reserve Bank of India under

Section 19 (f) of the Act

Shri Jagdish Capoor



श्री एस. के. मुखर्जी
Shri S. K. Mukherjee



श्री वेपा कामेसम
Shri Vepa Kamesam



श्री जगदीश कपूर
Shri Jagdish Capoor



श्री देवी दयाल
Shri Devi Dayal



श्री के. पी. झुनझुनवाला
Shri K. P. Jhunjhunwala



डा. एस. रमणी
Dr. S. Ramani



श्री जी. जी. वैद्य
Shri G. G. Vaidya



डा. आई. जी. पटेल
Dr. I. G. Patel



श्री अजय जी. पीरामल
Shri Ajay G. Piramal



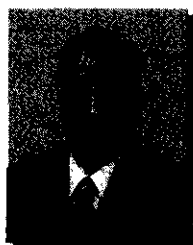
श्री पृथ्वीराज खन्ना
Shri Prithvi Raj Khanna



श्री सुरेश कुमार मेहरा
Shri Suresh Kumar Mehra



श्री शांथा राजू
Shri Shantha Raju



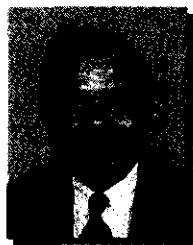
श्री आर. प्रभाकर राव
Shri R. Prabhakar Rao



श्री सी. एन. रामचंद्रन
Shri C. N. Ramachandran



डा. वी. बी. कौजलगी
Dr. V. B. Kaujalgi



श्री राजेन्द्र एस. लोढ़ा
Shri Rajendra S. Lodha

स्थानीय बोर्ड के सदस्य

(22 जून 2000 को)

स्थानीय बोर्ड, कलकत्ता

- श्री राजेन्द्र एस. लोढ़ा - सदस्य
श्री एस. के. गुप्ता - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

स्थानीय बोर्ड, मुंबई

- श्री अजय जी. पीरामल - सदस्य
श्री ए. के. पुरवार - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

स्थानीय बोर्ड, चेन्नई

- डा. एस. रामणी - सदस्य
श्री सी. एन. रामचन्द्रन - सदस्य
श्री बी. रामचंद्र राव - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

स्थानीय बोर्ड, नई दिल्ली

- श्री पृथ्वीराज खन्ना - सदस्य
श्री हरवंश लाल - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

स्थानीय बोर्ड, लखनऊ

- श्री एन. गोपालकृष्णन - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

स्थानीय बोर्ड, अहमदाबाद

- डा. आई. जी. पटेल - सदस्य
श्री माधव एम. मेहता - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

स्थानीय बोर्ड, हैदराबाद

- श्री आर. प्रभाकर राव - सदस्य
श्री ए. अल्फ्रेड सोलोमन - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

स्थानीय बोर्ड, पटना

- श्री के. पी. झुनझुनवाला - सभापति
श्री कामेश्वर चौपल - उप सभापति
श्री संजय सेठ - सदस्य
श्री ए. के. श्रीवास्तव - सदस्य
श्री विनय कुमार कान्था - सदस्य
श्री आर.सी. अग्रवाल - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

स्थानीय बोर्ड, भोपाल

- श्री एस. गुरुराजन - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

स्थानीय बोर्ड, भुवनेश्वर

- श्री वी. वी. वर्टी - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

स्थानीय बोर्ड, चण्डीगढ़

- श्री प्रभाकर शर्मा - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

स्थानीय बोर्ड, गुवाहाटी

- श्री ए.जी. कलमणकर - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

स्थानीय बोर्ड, बंगलूर

- डा. वी. बी. कौजलगी - सदस्य
श्री एन. सदाशिवन - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

Members of Local Boards

(As on 22nd June 2000)

Calcutta Local Board

- Shri Rajendra S. Lodha - Member
Shri S. K. Gupta - Chief General Manager (Ex-Officio)

Mumbai Local Board

- Shri Ajay G. Piramal - Member
Shri A. K. Purwar - Chief General Manager (Ex-Officio)

Chennai Local Board

- Dr. S. Ramani - Member
Shri C. N. Ramachandran - Member
Shri B. Ramachandra Rao - Chief General Manager (Ex-Officio)

New Delhi Local Board

- Shri Prithvi Raj Khanna - Member
Shri Harbans Lal - Chief General Manager (Ex-Officio)

Lucknow Local Board

- Shri N. Gopalkrishnan - Chief General Manager (Ex-Officio)

Ahmedabad Local Board

- Dr. I. G. Patel - Member
Shri Madhav M. Mehta - Chief General Manager (Ex-Officio)

Hyderabad Local Board

- Shri R. Prabhakar Rao - Member
Shri A. Alfred Solomon - Chief General Manager (Ex-Officio)

Patna Local Board

- Shri K. P. Jhunjhunwala - President
Shri Kameshwar Chaupal - Vice-President
Shri Sanjay Seth - Member
Shri A. K. Srivastava - Member
Shri Vinay Kumar Kantha - Member
Shri R. C. Agrawala - Chief General Manager (Ex-Officio)

Bhopal Local Board

- Shri S. Gururajan - Chief General Manager (Ex-Officio)

Bhubaneswar Local Board

- Shri V. V. Warty - Chief General Manager (Ex-Officio)

Chandigarh Local Board

- Shri Prabhakar Sharma - Chief General Manager (Ex-Officio)

Guwahati Local Board

- Shri A. G. Kalmankar - Chief General Manager (Ex-Officio)

Bangalore Local Board

- Dr. V. B. Kaujalgi - Member
Shri N. Sadasivan - Chief General Manager (Ex-Officio)

केन्द्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य

(22 जून 2000 को)

श्री जी. जी. वैद्य
अध्यक्ष

श्री एस. के. मुखर्जी
प्रबन्ध निदेशक एवं समूह
कार्यपालक (कारपोरेट बैंकिंग)

श्री वेपा कामेसम
प्रबन्ध निदेशक एवं समूह
कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग)

श्री डी. पी. रॉय
उप प्रबन्ध निदेशक
एवं समूह कार्यपालक
(सहयोगी बैंक एवं अनुषंगियां)

श्री वाई. राधाकृष्णन
उप प्रबन्ध निदेशक एवं
कारपोरेट विकास अधिकारी

श्री एस. गोविंदराजन
उप प्रबन्ध निदेशक
(निरीक्षण एवं प्रबंधन लेखा परीक्षा)

श्री जानकी बल्लभ
उप प्रबन्ध निदेशक
एवं समूह कार्यपालक
(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग)

श्री पी. के. सरकार
उप प्रबन्ध निदेशक एवं
मुख्य वित्तीय अधिकारी

श्री आर. कृष्णमूर्ति
उप प्रबन्ध निदेशक एवं
मुख्य ऋण अधिकारी

Members of Central Management Committee

(As on 22nd June 2000)

Shri G. G. Vaidya
Chairman

Shri S. K. Mukherjee
Managing Director &
Group Executive (Corporate Banking)

Shri Vepa Kamesam
Managing Director &
Group Executive (National Banking)

Shri D. P. Roy
Deputy Managing Director
& Group Executive
(Associates & Subsidiaries)

Shri Y. Radhakrishnan
Deputy Managing Director &
Corporate Development Officer

Shri S. Govindarajan
Deputy Managing Director
(Inspection & Management Audit)

Shri Janki Ballabh
Deputy Managing Director
& Group Executive
(International Banking)

Shri P. K. Sarkar
Deputy Managing Director
& Chief Financial Officer

Shri R. Krishnamurthi
Deputy Managing Director
& Chief Credit Officer

बैंक के लेखा-परीक्षक

भट्टाचार्य दास एण्ड कं.
खिम्जी कुंवरजी एण्ड कं.
प्राइस पैट एण्ड कं.
पी. के. चोपड़ा एण्ड कं.
पी. जैन एण्ड कं.
रमणलाल जी. शाह एण्ड कं.
सत्यनारायण एण्ड कं.
रघुनाथ राय एण्ड कं.
विनय कुमार एण्ड कं.
एस. आर. आर. के. शर्मा एसोशिएट्स
खन्ना एण्ड कं.
नन्दी एण्ड एसोशिएट्स
आर. सुब्रमणियन एण्ड कं.

Report **The Bank's** Auditors **junction.com**

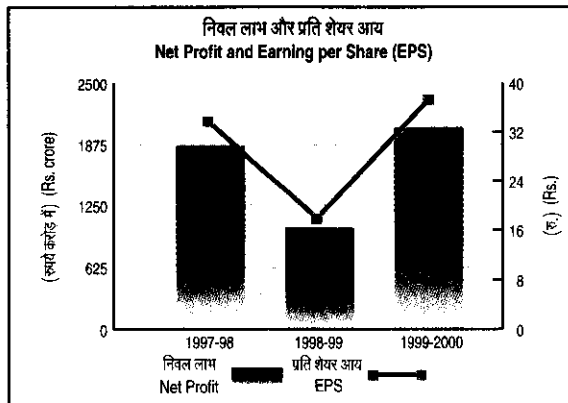
Bhattacharya Das & Co.
Khimji Kunverji & Co.
Price Patt & Co.
P. K. Chopra & Co.
P. Jain & Co.
Ramanlal G. Shah & Co.
Satyanarayana & Co.
Raghunath Rai & Co.
Vinay Kumar & Co.
S. R. R. K. Sharma Associates
Khanna & Co.
Nundi & Associates
R. Subramanian & Co.

उल्लेखनीय तथ्य Highlights

कुल आय (करोड़ रुपये) Total Income (Rs. crore)	25,770	22,392	15.1
कुल व्यय (करोड़ रुपये) Total Expenditure (Rs. crore)	23,719	21,364	11.0
निवल लाभ (करोड़ रुपये) Net Profit (Rs. crore)	2,051.5	1,027.8	99.6
आय - प्रति शेयर (रुपये) Earnings per Share (Rs.)	38.98	19.53	99.6
औसत आस्तियों पर आय (%) Return on Average Assets (%)	0.87	0.52	67.3
ईक्विटी पर आय (%) Return on Equity (%)	16.89	9.88	71.0
प्रति कर्मचारी लाभ (रुपये) Profit per Employee (Rs.)	87,000	43,000	102.3

संदत पूँजी और आरक्षितियाँ एवं अधिशेष (करोड़ रुपये) Paid-up Capital and Reserves & Surplus (Rs. crore)	12,147	10,402	16.8
जमा राशियाँ (करोड़ रुपये) Deposits (Rs. crore)	1,96,821	1,69,042	16.4
अग्रिम (करोड़ रुपये) Advances (Rs. crore)	98,102	82,360	19.1
देशीय शाखाओं की संख्या Number of Domestic Branches	8,998	8,930	0.8
विदेश स्थित शाखाओं/कार्यालयों की संख्या Number of Foreign Branches / Offices	52	52	—
पूँजी पर्याप्तता अनुपात (%) Capital Adequacy Ratio (%)	11.49	12.51	-8.2
निवल अलाभकारी आस्तियाँ (%) Net NPA (%)	6.41	7.18	-10.7

अध्यक्ष की ओर से



प्रिय शेयरधारक,

मुझे वर्ष 1999-2000 के लिए आपके बैंक के निदेशक बोर्ड की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष हो रहा है। वर्ष के दौरान बैंक का निष्पादन बहुत अच्छा रहा जो इस रिपोर्ट में प्रस्तुत किये गए विस्तृत विवरणों से प्रतिबिम्बित होता है। इस वर्ष बैंक के निवल लाभ में 99.6 प्रतिशत की वृद्धि

हुई और निवल लाभ की राशि 2,051.55 करोड़ रुपये तक पहुँच गई जबकि पिछले वर्ष यह राशि 1,027.8 करोड़ रुपये थी। लाभ में यह वृद्धि अनेक घटकों के योगदान से हुई।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत अनुकूल दृष्टिकोण की पृष्ठभूमि और देश में सुदृढ़ समष्टि आर्थिक परिवेश की तैयारी के साथ चालू वित्तीय वर्ष की शुरुआत बैंकों के लिए एक अच्छा शगुन है। औद्योगिक उत्पादन में, विशेष रूप से, विनिर्माण क्षेत्र तथा मूल आधारिक संरचना के क्षेत्रों में होनेवाली सुदृढ़ संवृद्धि एक शुभ संकेत है। तीन वर्षों की निरन्तर धीमी संवृद्धि के बाद भारत की निर्यात संवृद्धि दर दो अंकों तक पहुँच गई। विशेष रूप से सरकार द्वारा अमरीकी जमा रसीद (एडीआर)/विश्व जमा रसीद (जीडीआर) निर्गमों से संबंधित कार्यविधियों को उदार बनाने के बाद विदेशी निवेश की अन्तर्वाह राशि भी अच्छी रहने की संभावना है। विदेशी मुद्रा का पर्याप्त भण्डार होने से, कृषि फसल के सामान्य होने की आशा से और औद्योगिक निष्पादन में लगातार सुधार होने से, सकल देशीय उत्पाद की संवृद्धि दर उच्चतर बने रहने की बेहतर संभावना प्रतीत होती है। इसके साथ ही, अर्थव्यवस्था में कुछ ऐसे चिन्ताजनक क्षेत्र भी हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। मुद्रास्फीति, जो पिछले वित्त वर्ष में मंद रही, पर गहन निगरानी रखने की आवश्यकता है। वित्तीय स्थिति में भी सुधार करने की आवश्यकता है जिससे लगातार बढ़ रही भारी सरकारी उधार राशियों के प्रतिकूल प्रभाव को रोका जा सके।

अब मैं बैंकिंग उद्योग के सामने आने वाली कुछ चुनौतियों का विस्तार से वर्णन करना चाहूँगा। बैंकों के सामने सबसे पहली चुनौती तो यह है कि वह स्वयं को तेजी से बदलते प्रौद्योगिक परिवेश के अनुरूप ढाल लें। इंटरनेट व्यवस्था, ई-कॉमर्स और वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने वाली डॉट-कॉम कम्पनियों के अभ्युदय के फलस्वरूप वर्तमान में किए जाने वाले बैंकिंग व्यवसाय की विधि में परिवर्तन आएगा। किसी भी समय, कहीं पर भी उनके खातों तक पहुँच की सुविधा उपलब्ध कराने के बाद, ग्राहक बैंकों से यह अपेक्षा भी करते हैं कि बैंक उन्हें ऑन-लाइन सेवाएं उपलब्ध कराएं। टेलीफोन और इंटरनेट बैंकिंग का महत्व बढ़ता जाएगा और हम एक व्यापक आधार वाले शाखा नेटवर्क के बिना इंटरनेट संचालित परिचालनों की शुरुआत देख सकेंगे। ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए बैंकों को वैकल्पिक वितरण व्यवस्था के माध्यम से उत्कृष्ट सेवा और नवोन्मेषी उत्पाद प्रदान करना होगा।

बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा और उच्च जोखिम दर अन्य चुनौतियाँ हैं जिनका सामना विनियमनों में ढील वाले परिवेश में बैंकों को करना पड़ रहा है। उदारीकरण से न केवल देशीय और विदेशी दोनों प्रकार के बैंकों के बीच भारी प्रतिस्पर्धा बढ़ी है बल्कि इसके साथ ही म्युचुअल फण्डों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों, डाक घर आदि से भी प्रतिस्पर्धा करना पड़ रहा है। विश्व व्यापार संगठन के कार्यरत होने के बाद, प्रतिस्पर्धा और भी कड़ी हो जाएगी, क्योंकि इस परिदृश्य में बड़े अन्तरराष्ट्रीय बैंक भी उभरकर सामने आयेंगे। बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा से लाभप्रदता कम होती जा रही है और यह बैंकों को कम कीमत-लागत अंतर पर सक्षमता से कार्य करने को बाध्य कर रही है। बैंकों के सामने चुनौती यह है कि वे उत्पादकता में सुधार करने हेतु कार्य करने के साथ-साथ बहुत थोड़े मार्जिन के साथ अपनी लाभप्रदता के वर्तमान स्तर को किस तरह बनाए रखें जबकि इस समय बैंकों की व्यवसाय लागत अन्तरराष्ट्रीय मानकों की तुलना में अधिक है। इस चुनौती का सामना करने हेतु बैंकों की क्षमता विशेषकर इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकारी क्षेत्र के बैंकों में जनता की शेयर धारिता बढ़ने से, विश्लेषक और शेयरधारक उनके निष्पादन पर अब सतर्क दृष्टि रखते हैं।